जबसे थामा है तूने साँवरिया | By Mukesh Bagda

जबसे थामा है तूने सांवरिया मेरा हाथ
खुद ही बन जाती मेरी बिगड़ी हर बात

हार गया था मैं तो मनमोहन
पतझड़ सा बन गया था ये जीवन
नज़र उठा कर जब तूने देखा
बदल गई इस किस्मत की रेखा
अब तो रहता है मेरे हर पल तू साथ

तूने किया है मेरे लिए जितना
कोई नहीं कर सकता है उतना
क़र्ज़ तेरा मैं कैसे चुकाऊंगा
एहसा तले दबा हूँ मैं इतना
हारे का साथी तू ही दीनो का नाथ

परवाह नहीं जो भवर में नैया है
अब तो मेरे साथ कन्हैया है
अमन कभी तू डूब नहीं सकता
श्याम ने पकड़ी तेरी बइयाँ है
कर देगा पार ये नैया बिन पतवार
जबसे थामा है.....

https://bhaktivandana.com/lyrics/%e0%a4%9c%e0%a4%ac%e0%a4%b8%e0%a5%87-%e0%a4%a5%e0%a4%be%e0%a4%ae%e0%a4%be-%e0%a4%b9%e0%a5%88-%e0%a4%a4%e0%a5%82%e0%a4%a8%e0%a5%87-%e0%a4%b8%e0%a4%be%e0%a4%81%e0%a4%b5%e0%a4%b0%e0%a4%bf%e0%a4%af/